समय : ३ घंटे **कुल अंक : १००**

(कृपया जांचें कि आपको सही प्रश्न पत्र मिला है या नहीं।)

सूचना : (१) प्रश्न क्रमांक १ और ६ में से किन्ही ४ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

(२) प्रश्न क्रमांक ७ अनिवार्य है |

प्रश्न १. प्रयोजनमूलक हिंदी विविधि क्षेत्रों में क्यों आवश्यक है, स्पष्ट कीजिए | **(२०)**

प्रश्न २. सामान्य हिंदी के स्वरुप और उसकी विशेषताओं की विवेचना कीजिए | **(२०)**

प्रश्न ३. अनुवाद में विविध भारतीय विद्वानों की परिभाषा देकर उसके महत्व की चर्चा कीजिए | **(२०)**

प्रश्न ४. अनुवाद के भेद कौन-कौन से है, उस पर विस्तार प्रकाश डालिए | **(२०)**

प्रश्न ५. विज्ञापन का स्वरुप स्पष्ट करते हुए विज्ञापन की भाषा का विस्तृत विश्लेषण करें | **(२०)**

प्रश्न ६. पारिभाषिक शब्दावली के स्वरुप के साथ उसकी विशेषताओं को लिखिए | **(२०)**

प्रश्न ७. (अ) निम्नलिखित अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीजिए | **(१०)**

Dr. Bhimrao Ramji Ambedkar (1891–1956), widely known as the architect of the Indian Constitution, was a social reformer, jurist, economist, and a champion for the rights of the marginalized. Born into a Dalit family, he faced severe caste-based discrimination but overcame immense obstacles to pursue education, earning degrees from prestigious institutions like Columbia University and the London School of Economics. Ambedkar dedicated his life to fighting caste inequality, advocating for the rights of Dalits, and striving for social justice. He played a pivotal role in drafting the Indian Constitution, embedding principles of equality, liberty, and fraternity. In 1956, he embraced Buddhism to reject the caste hierarchy, inspiring millions to follow his path. Ambedkar's legacy endures as a beacon of empowerment and social reform in India.

(आ) निम्नलिखित अंग्रेजी शब्दों के हिंदी पारिभाषिक शब्दावली लिखिए | **(१०)**

1. Rate
2. Reaction
3. Zonal office
4. Questionary
5. Priority
6. Claim
7. Enitials
8. Margin
9. Notice
10. Basic

******

XJAYANTOY4F877FXJAYANTOY4F877FXJAYANTOY4F877FXJAYANTOY4F877F